

पेपर लीक रोकने का सख्त विधेयक लोकसभा में पास

अधिकतम 10 साल सजा, 10 करोड़ जुर्माने का प्रावधान

9 घंटे तक चर्चा के बाद ध्वनिमत से हुआ पारित

एजेसी ►► नई दिल्ली

लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ा 'लोक परीक्षा' (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 बुधवार को ध्वनि मत से पास हो गया। बिल पर मंगलवार को 9 घंटे चर्चा हुई। बुधवार को विपक्ष की तरफ से राहुल गांधी बिल पर 50 मिनट बोले। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े कानून सख्त कर दिए हैं। अब पेपर लीक से जुड़े अपराधों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल पास हो गया। अब जन-गण-मन की तरह वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण मिलेगा। वंदे मातरम का अपमान, अनादर और गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा।



वंदे मातरम के अपमान पर 3 साल तक की जेल राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल पास हो गया। बिल के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है। नए कानून में राष्ट्रगीत के अपमान के लिए तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों के प्रावधान हैं।

‘इंडियट’ शब्द बोलने पर सदन में हंगामा
विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट भाषण दिया। उन्होंने इंडियट और अंधमत्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा से बिल हंगामे के बीच पारित हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफ़ी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूँ। स्पीकर और बिरला ने भी राहुल को 11 से ज्यादा बार टोका। कहा कि वे इस तरह के असंसदीय शब्द नहीं बोल सकते।

राहुल बोले- छात्रों पर पैलेट गन चली, लाटियां मारी गईं
राहुल गांधी ने बुधवार शाम को कहा, 'आज मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। रिजिजू और राजनाथ सिंह जी को बोलने दिया गया। इसकी वजह है कि मैंने अमित शाह के बारे में कहा कि वह छात्रों पर हुई बबरता के लिए जिम्मेदार हैं। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।' राहुल ने कहा कि सदन में मुझसे कहा गया कि मैं माफ़ी मांगूंगा, इसके बाद मुझे बोलने दिया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष के रूप में मेरा कर्तव्य है कि देश के मुद्दे उठाऊँ। संसद से 500 मीटर तक देश के छात्रों को पीटा गया। छात्रों पर पैलेट गन चलाई गई। एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई।

भाजपा ने कहा- राहुल ने लोकसभा में झूठ बोला
'छात्रों के संसद मार्च में गोली चलने के राहुल के बयान पर भाजपा ने शाम 4:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भाजपा संसद संक्षिप्त पत्रा ने कहा कि राहुल ने लोकसभा में झूठ बोला है। पत्रा ने बताया कि संसद मार्च में छात्रों पर गोली चलाई गई। इसका भाजपा खंडन करती है। राहुल ने कहा कि गोली चलाने का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया। ये भी झूठ है, क्योंकि गोली चली नहीं तो आदेश कहाँ से देगे। पत्रा ने कहा- कांग्रेस नेताओं ने अपने भाषण में कहा कि ऑर्डर फोर्सेस ने लड़कियों के कपड़े फाड़े, ऐसा नहीं है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में छाए मुक्केबाज, नौ पदक पक्के



मलारगो (भाषा)। भारतीय मुक्केबाजों ने बुधवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों में विभिन्न भार वर्गों के सेमीफाइनल में जगह बनाकर 6 और पदक पक्के कर लिए जबकि एथलेटिक्स में तेजिंदरपाल सिंह तूर और समरदीप सिंह गिल ने शॉट पुट के फाइनल में पहुंचकर पदक की उम्मीदें बरकरार रखीं। अंकुश पंचाल (80 किलो), साक्षी चौधरी (51 किलो), अरुंधति चौधरी (70 किलो), सचिन सिवाव (60 किलो) और नरेंद्र बेरवाल (90 किलो) से अधिक) और जैरिसन लैम्बोरिया ने 57 किलो वर्ग में सेमीफाइनल में जगह बनाई। बुधवार को मिली पांच जीत के साथ अब दस भारतीय मुक्केबाजों का ज जा सेमीफाइनल में पहुंच गया है जिससे इस चरण में कम से कम दस कांस्य पदक पक्के हो चुके हैं। इस उपलब्धि ने बर्मिंघम 2022 में भारत के मुक्केबाजों के कुल पदकों की संख्या को भी पीछे छोड़ दिया है जिसमें देश ने (तीन स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य) सात पदक जीते थे। इससे पहले लवलीना बोरगोहेन (75 किलो), प्रिया घांस (60 किलो), प्रीति पवार (54 किलो) और जादूमणि सिंह (पुरुष 55 किलो) मुक्केबाजी में भारत का पदक पक्का कर चुके हैं।

साक्षी, अरुंधति सचिन, अंकुश नरेंद्र व जैरिसन सेमीफाइनल में लवलीना, प्रिया, प्रीति और जादूमणि ने लहराया परचम

तेजिंदरपाल तूर फाइनल में भारतीय शॉटपुट खिलाड़ी तेजिंदर पाल और सिंह गिल ने आसानी से आखिरी दौर के लिये क्वालीफाई कर लिया। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तूर ने दो प्रयासों में ही ग्रुप ए से 20 मीटर का स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क हासिल कर लिया। उनका पहला प्रयास 19 . 93 मीटर और दूसरा 20 . 14 मीटर था। उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया। ग्रुप बी से गिल का सर्वश्रेष्ठ प्रयास पहला ही था जिसमें उन्होंने 19 . 95 मीटर का थो फेंका।

इंडिगो-फ्लाइट आसमान में 44 मिनट काटती रही चक्कर

जयपुर (एजेंसी)। हैदराबाद से जयपुर आई इंडिगो की फ्लाइट बुधवार को करीब 44 मिनट तक आसमान में चक्कर लगाती रही। तेज बारिश और हवा के कारण विमान को रनवे छूने के बाद दोबारा उड़ान भरनी पड़ी। आखिरकार मौसम में सुधार होने के बाद विमान की जयपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। इस विमान में करीब 120 पैसेंजर थे। इंडिगो की फ्लाइट 6ई-913 बुधवार दोपहर करीब 1 बजकर 45 मिनट पर जयपुर एयरपोर्ट पर उतरने वाली थी। पायलट ने निर्धारित समय के अनुसार करीब 1 बजकर 40 मिनट लैंडिंग के लिए अप्रोच



भी शुरू कर दी थी। लेकिन उसी दौरान एयरपोर्ट के आसपास तेज बारिश और हवा के कारण लैंडिंग के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं बन सकीं। खराब मौसम के कारण पायलट ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए गो-अराउंड का फैसला लिया। ऐसे में लैंडिंग की कोशिश छोड़कर विमान को दोबारा ऊंचाई पर ले जाया गया। विमान को एयर ट्रैफिक कंट्रोल के निर्देश पर जयपुर के आसपास के हवाई क्षेत्र में होल्ड पर रखा गया।

हरियाणा के 5.40 लाख सीईटी पास युवाओं को मिलेगा मानदेय

जयपुर (एजेंसी)। चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सीईटी पास बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एक नवंबर 2026 से सीईटी पास युवाओं को सक्षम युवा योजना के तहत मानदेय दिया जाएगा। जिन युवाओं को सीईटी पास करने के दो वर्ष बाद भी रोजगार नहीं मिलेगा, उन्हें योजना के तहत आर्थिक सहायता के साथ 100 घंटे का कार्य भी उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार के सर्वे में प्रदेश में 5 लाख 40 हजार 428 सीईटी पास युवा चिन्हित हुए हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से योजना का लाभ मिलेगा।



मुख्यमंत्री बुधवार को विकसित भारत विजन-2047 के तहत रोजगार, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग तथा हरियाणा स्किल डेवलपमेंट मिशन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री विकसित भारत योजना के तहत हरियाणा को देश के टॉप-10 राज्यों में स्थान मिला है और इसके माध्यम से अब तक 51 हजार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

खबर संक्षेप
कोयला घोटाला : पूर्व पीएम मनमोहन पर केस बंद नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में चल रहा क्रिमिनल केस बंद कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 12 साल बाद सीबीआई की 2014 की 2 क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। कोर्ट ने कहा कि पूर्व पीएम के खिलाफ करप्शन के कोई ठोस सबूत नहीं हैं। यह मामला यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान तलाबीरा-2 कोयला ब्लॉक के आवंटन से जुड़ा है। एजेंसी

रेत व्यापारी से 15 किलो सोना, 5.5 करोड़ कैश मिला
कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम पुलिस की ओर से रेत माफिया टुलू मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के खिलाफ लॉ एनफोर्समेंट ने बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान भारी मात्रा में कैश और सोने की ईंटें बरामद हुई हैं। सूत्र से मिली जानकारी के आधार पर एक सटीक ऑपरेशन के बाद बीरभूम पुलिस ने मोहम्मद बाजार पुलिस स्टेशन के तहत गैरकानूनी रेत माफिया टुलू मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के ठिकाने पर छापा मारा। ऑपरेशन में गैरकानूनी तरीके से जमा की गई भारी मात्रा में दौलत का पता चला। अब तक 5.5 करोड़ रुपये कैश बरामद हो चुका है। वहीं, 15 किलो सोना बरामद किया गया है।



दिल्ली पुलिस ने लिखा पत्र मोदी पर आपत्तिजनक और अभद्र पोस्ट हटाए एक्स
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ एक्स पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पत्र लिखा। पुलिस ने प्लेटफॉर्म से संबंधित पोस्ट और वीडियो तत्काल हटाने, साथ ही उन्हें पोस्ट करने वाले अकाउंट होल्डर्स के नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी जानकारी देने को कहा है। एक दिन पहले सरकार ने मेटा को मोदी का वीडियो फेसबुक पर सीमित करने के लिए नोटिस जारी किया था। हालांकि बाद में मेटा ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने अकाउंट के लॉगिन और लॉगआउट की जानकारी के साथ ही समय और तारीख का ब्योरा भी मांगा है।

पाकिस्तानी मास्टरमाइंड के निर्देश पर वारदात सस्ते टूर पैकेज का लालच देकर थाईलैंड बुलाया, तीन भारतीय टूरिस्टों का अपहरण

ने तीनों लड़कों को रेस्क्यू कर लिया है। पीड़ितों की पहचान मोहित (23), आशीष (24) और हिमांशु (20) के रूप में हुई है। आरोपियों ने उन्हें सस्ते 7 दिन के टूर पैकेज का लालच देकर थाईलैंड के पटया शहर बुलाया था। वहां पहुंचने के बाद उन्हें एक घर में बंधक बना लिया गया और उनके परिवारों से तीनों के बदले 40-40 लाख रुपये, यानी कुल 1.20 करोड़ रुपये की फिरेती मांगी गई।

दुबई से निर्देश दे रहा था पाकिस्तानी मास्टरमाइंड
पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अवतार सिंह (38), जगजीत सिंह (38), रंगमलक कुमार (24), सुखबीर सिंह (37) और कुलरा सिंह (27) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पिछले एक महीने से चैट एप्लीकेशन के जरिए दुबई में बैठे एक पाकिस्तानी नागरिक के संपर्क में थे। उसी ने अपहरण की पूरी साजिश रखी थी। फिरेती की रकम क्रिप्टोकॉइन्स के जरिए लेने की योजना बनाई गई थी। इसी के बदले आरोपियों को नकदी, कीमती सामान और थाईलैंड से बाहर जाने के लिए एयरलाइन टिकट देने का वादा किया गया था। पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि उन्हें कई दिनों तक मूका रखा गया। उनके हाथ-पैर बांध दिए गए और उल्टा लटकाकर बेरहमी से पीटा गया।

तैयारी आज की, समृद्धि कल की.

एलआईसी के साथ आपकी हर बचत, बढ़ाती है आत्मविश्वास और सुरक्षा का अहसास, और देती है आज़ादी, बड़े सपने देखने की.

भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

क्यूआर कोड स्कैन करें और My LIC App डाउनलोड करें

भारतीय जीवन बीमा निगम LIC India Forever

भारत के सर्वोच्च मानक (ISO 9001:2015)

हमारा गेटटोएक्स नंबर 8976862090

कॉल 1800 120 9876

अधिक जानकारी के लिए, अपने बीमा एजेंट/अपनी निकटतम एलआईसी शाखा से संपर्क करें / www.licindia.in पर जाएं

हमें यहाँ फ़ॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No: 512

घोषणा: हमें फ़ोन कॉल वरदा प्रु/आपका प्रस्तावों से शास्त्रानु रूढ़ है. आईआईसीआईआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की डिज़ी, बेनस की घोषणा या प्रीमियम के निर्देश, राशियां लॉटनर जैसी कोई भी गतिविधियां में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों का संगठित ग्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉल मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज करें.

अतिथि व विस्तार प्राध्यापकों को बड़ी राहत, 57700 रुपये मासिक मानदेय के साथ मिलेगी वार्षिक वेतनवृद्धि

महंगाई भत्ते के अनुरूप हर वर्ष जनवरी और जुलाई में मानदेय में संशोधन किया जाएगा

हरिभूमि ब्यूरो

हरियाणा सरकार ने विस्तार और अतिथि प्राध्यापकों को बड़ी राहत देते हुए हरियाणा विस्तार प्राध्यापक एवं अतिथि प्राध्यापक (सेवा का सुनिश्चितता) संशोधन अधिनियम,

सेवा सुरक्षा कानून में संशोधन: 21 जुलाई 2025 तक कार्यरत प्राध्यापक होंगे पात्र



2026 अधिसूचित कर दिया है। संशोधन के बाद अब 21 जुलाई 2025

तक कार्यरत पात्र प्राध्यापक इस कानून के दायरे में आएंगे। सरकार ने संशोधन के तहत पात्रता की अंतिम तिथि बढ़ाने के साथ सेवा अवधि की परिभाषा में भी बदलाव किया है। अब सेवा की गणना एक वर्ष की संविदात्मक सेवा अवधि के आधार पर की जाएगी। संशोधित प्रावधानों के अनुसार पात्र प्राध्यापकों को 57,700 रुपये का समेकित मासिक मानदेय मिलेगा। महंगाई भत्ते के अनुरूप हर वर्ष जनवरी और जुलाई में मानदेय का पुनरीक्षण किया जाएगा।

साथ ही एक वर्ष की सेवा पूरी होने पर सरकार वार्षिक वेतनवृद्धि भी अधिसूचित कर सकेगी। इसके अलावा अधिसूचित नीति के तहत पात्र प्राध्यापकों के लिए अनुकंपा वित्तीय सहायता अथवा हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के माध्यम से अनुकंपा नियुक्ति का भी प्रावधान किया गया है। राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद संशोधित अधिनियम का राजपत्र में प्रकाशन कर इसे लागू कर दिया गया है।

अंबाला में 304 करोड़ रुपये से बनेगा मेगा इंडस्ट्रियल पार्क

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य को देश के प्रमुख विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अंबाला में 304.10 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति (एसएससी) की बैठक में प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। 108.58 एकड़ क्षेत्र में विकसित होने वाला यह औद्योगिक पार्क एचएसआईआईडीसी के प्रस्तावित आईएसटी अंबाला में स्थापित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे उत्तर हरियाणा में औद्योगिक निवेश, विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। बैठक में परियोजना के तकनीकी, वित्तीय और आधारभूत ढांचे की समीक्षा के बाद इसे केंद्र सरकार की भारत औद्योगिक विकास योजना (भाव्या) के तहत अनुशंसित किया गया।

खबर संक्षेप

अनुकंपा नियुक्ति किसी का निहित अधिकार नहीं
चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने मृत पंप आपरेटर के भाई को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने की मांग खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि अनुकंपा नियुक्ति किसी का निहित अधिकार नहीं है। अदालत ने यह भी माना कि जिस पद पर नियुक्ति की मांग की गई थी, वह पहले से ही भरा हुआ है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जिस सरकारी पत्र के आधार पर याचिकाकर्ता नियुक्ति की मांग कर रहा था, उसमें मृत कर्मचारियों के परिजनों को नौकरी देने का कोई निर्देश नहीं दिया गया था। जस्टिस निधि गुप्ता ने यह आदेश राजवीर की याचिका पर सुनाया।

हाईकोर्ट में रीडर की मर्ती पर जवाब तलब
चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में रीडर (लीगल) भर्ती-2025 की चयन प्रक्रिया को चुनौती देते हुए दो अभ्यर्थियों ने याचिका दायर की है। पिंजौर निवासी नौकिलम व अन्य ने आरोप लगाया है कि विवा वाइस में मनमाने ढंग से अत्यंत कम अंक देकर उन्हें चयन से बाहर कर दिया गया, जबकि लिखित परीक्षा और अन्य निर्धारित चरणों में वे निर्धारित योग्यता पूरी कर चुकी थीं। उन्होंने अंतिम चयन परिणाम के साथ-साथ उनकी आपत्तियां औचित्यपूर्ण करने वाले आदेशों को भी रद्द करने की मांग की है। अब 22 सितंबर को सुनवाई होगी।

सीवरेज-मैनहोल की सफाई के दौरान हादसा होने पर अधिकारी नपेंगे : गंगवा

प्रदेश में निगरानी समिति बनेगी

चंडीगढ़। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा ने सीवरेज और मैनहोल से जुड़े कार्यों में सामने आने वाली दुर्घटनाओं और लापरवाही के मामलों पर कड़ा रुख अपनाने और उनके खिलाफ सख्त अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि सुरक्षा नियमों में किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी कर्मचारी की जान सुरक्षा उपकरणों की अनदेखी के कारण जाती है तो संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बकायदा इसके लिए अहम फैसले लेते हुए निर्देश दिए हैं कि हरियाणा में निगरानी के लिए 7 समितियां बनाई जाएं। प्रत्येक समिति में मुख्य अभियंता, संबंधित सर्कल के अधीक्षण अभियंता और संबंधित मंडल के कार्यकारी अभियंता (एक्सईएन) शामिल होंगे। ये समितियां नियमित रूप से फील्ड का निरीक्षण करेंगी, सुरक्षा इंतजामों की जांच करेंगी और उपर्युक्त सभी मुद्दालय भेजेगी, जिसे तुरंत मंत्री के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निरीक्षण निष्पक्ष और प्रभावी रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने आशा वर्कर्स से बैठक की, समस्याएं सुनीं



चंडीगढ़। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ में बहुउद्देशीय स्वास्थ्य पर्यवेक्षक (पुरुष/महिला) तथा आशा वर्कर युनियन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र के इन अग्रिम पवित के कर्मचारियों की समस्याओं, लंबे समय से लंबित मांगों और कार्यस्थल पर आ रही व्यावहारिक चुनौतियों को विस्तार से सुनना और उनका निराकरण करना था। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, नेशनल हेल्थ मिशन हरियाणा मिशन निदेशक आर. एस. दिल्लो, नेशनल हेल्थ मिशन के निदेशक डॉ. वीरेंद्र यादव समेत विभाग के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान युनियन के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं को स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष रखा।

नई एमएसएमई नीति से हरियाणा बनेगा विनिर्माण और निर्यात का नया केंद्र

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के गठन के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नई एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति लागू कर औद्योगिक विकास को नई दिशा देने की पहल की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में तैयार इस नीति का उद्देश्य राज्य को देश के प्रमुख विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करना है। नई नीति में एमएसएमई क्षेत्र के लिए 60 नई पहलें शामिल की गई हैं। सरकार ने अगले पांच वर्षों में 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश आकर्षित करने, पांच लाख नए रोजगार सृजित करने और हरियाणा के निर्यात को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। नीति में पूंजीगत सब्सिडी, वेंचर कैपिटल फंड, निर्यात प्रोत्साहन, तकनीकी उन्नयन, गुणवत्ता सुधार, हरित विनिर्माण और कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार छोटे उद्योगों को 15 से 30 प्रतिशत तक पूंजीगत सब्सिडी, स्टार्टअप के लिए 200 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड, निर्यातकों को ब्याज सहायता और फ्रेट सब्सिडी उपलब्ध कराएगी। साथ ही रोबोटिक्स, एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग को प्रोत्साहन मिलेगा।

वाराणसी से पवित्र मिट्टी लेकर गुरुग्राम पहुंचेगा भाजपा प्रतिनिधिमंडल



चंडीगढ़। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी की ओर से गुरुवार को गुरुग्राम में भव्य कलश वंदन यात्रा निकाली जाएगी। वाराणसी स्थित संत रविदास की जन्मस्थली से पवित्र मिट्टी लेकर भाजपा प्रतिनिधिमंडल गुरुग्राम पहुंचेगा, जहां सरहोल बोर्डर पर सर्व समाज की ओर से भव्य स्वागत किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में हरियाणा भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश जरावत के सिर पर पवित्र मिट्टी से शुभमिष्ट कलश स्थापित कर यात्रा को रवाना किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण वृष सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। यह यात्रा सरहोल बोर्डर से शुरू होकर शीतला माता मंदिर तक जाएगी।

ट्यूबवेल के पानी की जांच करवाएं किसान : राणा

चंडीगढ़। सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रदेश के किसानों से अपील की है कि वे अपने खेतों के ट्यूबवेल के पानी की नियमित रूप से जांच अवश्य करवाएं। उन्होंने कहा कि करवाओ पानी की जांच, नहीं आएगी फसल उत्पादन पर आंच। उन्होंने कहा कि इस दिशा में तेजी से काम चल रहा है।

DISTRICT INFORMATION TECHNOLOGY SOCIETY SONIPAT
TENDER NOTICE
We invite sealed tenders under two bid systems i.e technical and financial for eligible and experienced bidders for providing manpower services (Junior Programmer, Accountant, Computer Operators, Peons, Watchman's, Security Guards, MTS etc.) to our society. The last date for submission the of bids (Technical & Financial) is August upto 12:00 hrs in District Information & Technology Society, Sonipat office, Room No. 302, 3rd Floor, Mini Secretariat, Sonipat 131001. Whereas, the bids will open on 10th August at 12:00 hrs.
Sd/- Deputy Commissioner-cum-Chairman, DITS, Sonipat.
NOTE (1) Deputy Commissioner-cum-Chairman, DITS, Sonipat reserves the right to accept or reject any tender bid without assigning any reasons.
(2) The required terms and conditions are available on our official District Website i.e. sonipat.gov.in.

अभियुक्त व्यक्ति की हजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C./84 BNSS देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त सचिन पुत्र श्री सत्यवान निवासी वार्ड नंबर 34, बाग वाली गली, खरखौटा, सोनीपत, हरियाणा ने केस एफआईआर नं. 186/2026, अंतर्गत धारा 33/38/58 दिल्ली आबकारी अधिनियम, थाना केशव पुरम, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त सचिन मिल नहीं रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त सचिन फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस एफआईआर नं. 186/2026, अंतर्गत धारा 33/38/58 दिल्ली आबकारी अधिनियम, थाना केशव पुरम, दिल्ली के उक्त अभियुक्त सचिन से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 01.09.2026 को या उससे पहले हाजिर हों।
आदेशानुसार
संयम जैन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-04
कमरा नं. 112, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली
DP/10407/NW/2026
(Court Matter)

नोटिस
15वीं वाहिनी, भा.ति.सी.पुलिस बल (गृह मंत्रालय), परानु कैम्प, पन्नालय-गढ़ी, उधमपुर (जवक)
दल संख्या 967020677 है. कॉ. (चालक) नरेंद्र कुमार पुत्र श्री राम कुमार ग्राम एवं पोस्ट- समचाना, तहसील-सपंला, जिला-रोहताक (हरियाणा) को 15वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस के उक्त नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा दिनांक 20.01.2026 को 1628 बजे Royal Enfield bullet Motorcycle CH01GA-8218 के साथ आवामन शिंवार (छावला), दिल्ली में अपनी आमद दी गई थी और आप दिनांक 24.01.2026 (अप्र.) से बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति / सूचना के अनुपस्थित चल रहे हैं। आपको अनुपस्थित के कारणों का पता लगाने हेतु गठित जांच न्यायालय की संस्तुति के आधार पर आपको इस कार्यालय के आदेश संख्या 3390-99 दिनांक 27.05.2026 के तहत दिनांक 24.01.2026 (अप्र.) से भगौडा (Deserter) घोषित किया जा चुका है। आपको उक्त नोटिस के माध्यम से पुनः निर्देशित किया जाता है कि आप इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर, वाहिनी मुख्यालय, 15वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, परानु कैम्प, पोस्ट-गढ़ी, जिला-उधमपुर (ज.व.क.) में अपनी आमद दें अन्यथा यह समझा जायेगा कि आप बल में सेवा करने के इच्छुक नहीं हैं और भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल अधिनियम 1992 एवं भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल नियमावली 1994 में निहित प्रावधानों के अनुरूप एकरफरा निर्णय लेते हुए आपको सेवा से निष्काषित कर दिया जायेगा।
हस्ता/- कमांडेंट
15वीं वाहिनी, भा.ति.सी.पुलिस बल।
सीबीसी-19112/11/0067/2627

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना संख्या ETRU-T-10-2026-27
वरि. मंडल विद्युत अभियंता/क/वि/उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को **15:00 बजे** तक **www.iरेps.gov.in** पर अपलोड किया जा सकता। इनको **15:00 बजे** के उपरांत तकाल खोला जायेगा।
क्र. सं. 1. : निविदा संख्या : ETRU-T-10-2026-27
कार्य का विवरण : राजपुरा, जगधारी वर्कशॉप और कुराली ट्रैक्शन सब-स्टेशन के डबल ट्रांसफॉर्मर के कंट्रोल और रिले पैनेल को न्यूमेरिकल रिले (RDSO स्पेसिफिकेशन/SPC/PSU/PROTCT/6072 या लेटेस्ट के अनुसार बदलने हेतु कार्य।
निविदा बंद/खुलने की तिथि : 20.08.2026
लगभग लागत : रु. 3,13,00,047.17/-
घरोहर राशि : रु. 6,26,000/-
कार्य पूरा करने की अवधि : 06 महीने
वैधाना अधिद : 60 दिन
टेण्डर फॉर्म की कीमत : Downloading through IREPS portal -NIL, (Rs. 10,000/-Sr.DEE/TRDU/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए)
1. निविदाकार को सभी जरूरी योग्यता दस्तावेज एवं PANGSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी हैं। 2. निविदाकार के पास ई-निविदा में भाग लेने के लिए क्लास-II Digital Signature Certificate होनी चाहिए। 3. कार्य में GST, BOCWW, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होंगे। 4. कार्य में सिमिलर नेचर कंडीशन लागू हैं एवं इस प्रकार है: **"Railway Board/RDSO Guideline for eligibility criteria to be followed" OR "Interfacing of numerical relays to SCADA system through serial communication port based on IEC Protocol"**. 5. टेंडर बॉयक्यूंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट **www.iरेps.gov.in** पर जाये।
सं.: ETRU-T-10-2026-27 दिनांक: 29.07.2026 **2615/2026**
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हरियाणा लोक सेवा आयोग
बेज नं. 1-10, ब्लॉक-बी, सेक्टर-4, पंचकुला
घोषणा
विषय : अभियोजन विभाग, हरियाणा में सहायक जिला न्यायवादी (विज्ञा.सं. 18/2025) और विधि एवं विधायी विभाग, हरियाणा में अधीक्षक (कानूनी) (विज्ञा.सं. 01/2025) के पदों हेतु संयुक्त विषय ज्ञान परीक्षा।
नीचे वर्णित पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षाओं हेतु क्वालीफाइड हो चुके उम्मीदवारों की सामान्य जानकारी के लिए एनएड द्वारा यह घोषणा की जाती है कि आयोजन से घोषणा दिनांक 21.05.2026 और 09.06.2026 के तहत दिये गये कार्यक्रम, जोकि निम्नानुसार है, के अनुरूप संयुक्त विषय ज्ञान परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है :-

क्र.सं.	पद व विभाग का नाम	विज्ञा. सं.	परीक्षा की तिथि व समय
1.	अभियोजन विभाग, हरियाणा में सहायक जिला न्यायवादी	18/2025	09.08.2026 पूर्वा. 10:00 बजे से अप. 1:00 बजे तक
2.	विधि एवं विधायी विभाग, हरियाणा में अधीक्षक (कानूनी)	01/2025	

उम्मीदवारों को अपने प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट अर्थात **https://hpsc.gov.in** पर उपलब्ध करवाए गए लिंक से 03.08.2026 से डाउनलोड करने का परामर्श दिया जाता है।
आगे यह स्पष्ट किया जाता है कि सभी उम्मीदवार जो उपरोक्त पदों के लिए विषय ज्ञान परीक्षा हेतु क्वालीफाइड हो चुके हैं, को परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अंतरिम रूप से अनुमति दी जा रही है, जो विज्ञापन के अनुरूप सभी पात्रता शर्त पूर्ण करने के अधीन है।
टिप्पणियाँ :
1. उम्मीदवारों को प्रवेश-पत्र डाउनलोड करने और ए-4 राइज पेपर पर इराका प्रिंट लेने का निर्देश दिया जाता है ताकि उनके फोटो और अन्य विवरण आसानी से देखे / प्रमाणित किये जा सकें। अस्पष्ट फोटो / हस्ताक्षरों सहित छोटे आकार के प्रवेश-पत्र वाले उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
2. उम्मीदवारों को प्रवेश-पत्र पर दिये गये सभी निर्देश बहुत ध्यानपूर्वक पढ़ने का परामर्श दिया जाता है।
दिनांक : 29.07.2026
संवाद-1156/13/387/2027/47650/88/6 दि. 29.07.26

हरियाणा सरकार
निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लाभ) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लॉनिवि भ व प करनाल	पानीपत जिले में सुताना से भादर तक रोड का नया निर्माण (एचटी/एलटी लाइन की शिफ्टिंग) + 4 कार्य।	29.07.2026 04.08.2026	58 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1842265696 pwd-eeed-kamal@hry.nic.in
2	पंचायती राज रेवाड़ी	गांव बेरली खुर्द ब्लॉक जादूसाना जिला रेवाड़ी में ग्राम सचिवालय का निर्माण।	28.07.2026 06.08.2026	60.13 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466112077 xenpr.nwr@gmail.com
3	पंचायती राज रोहतक	गांव सिंघपुरा कलां में एससी बस्ती से मनु वाला तालाब तक नाला का निर्माण + 1 कार्य।	28.07.2026 04.08.2026	7.50 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1262254150 prexeeng.roh@hry.nic.in
4	पंचायती राज भिवानी	गांव झुंडावास (चन्दावास), ब्लॉक कैरू में ग्रे वाटर मैनेजमेंट (साहवीन प्रोजेक्ट) का निर्माण, स्कीम-एसबीएमजी।	28.07.2026 03.08.2026	14.91 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in
5	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हारा, नूह	शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हारा, नूह में डेंटिस्ट्री विभाग के लिए डेंटल मर्दों की खरीद हेतु निविदा।	30.07.2026 17.08.2026	4.31 लाख	https://etenders.hry.nic.in	126700282 dirshkmnuh.med-hry@gov.in
6	एसएचकेएम राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हारा, नूह	शहीद हसन खान मेवाती राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नल्हारा, नूह में माइक्रो बायोलॉजी विभाग हेतु एंटीबायोटिक डिस्कस की खरीद के लिए निविदा।	30.07.2026 17.08.2026	98,280/-	https://etenders.hry.nic.in	126700282 dirshkmnuh.med-hry@gov.in
7	पंचायती राज झज्जर	गांव जहांगीरपुर, ब्लॉक बादली, जिला झज्जर में बायस्कि को बस्ती से बोरिया रोड तक फिन्नी का अपग्रेडेशन।	27.07.2026 04.08.2026	38.05 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9992221462 prexeeng.jr@gmail.com
8	वन विभाग भिवानी	नये प्लांटेशन और रखरखाव के लिए निविदा और 11 अन्य कार्य।	13.07.2026 03.08.2026	943.96 लाख	https://etenders.hry.nic.in	01664-242430 dfo.bhiwani@yahoo.com
9	वन विभाग फतेहाबाद	नया पौधारोपण कार्य 2026-27 और पांच वर्षीय रखरखाव कार्य 2027-28 से 2031-32 एनपीवी स्कीम + 3 कार्य।	23.07.2026 03.08.2026	125.06 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466859122 dfo.fatehabad@yahoo.co.in
10	वन विभाग फतेहाबाद	भट्टर ब्लॉक में कैम्पा स्कीम के तहत दो वर्षीय रखरखाव कार्य 2026-27 से 2027-28 + 6 कार्य।	24.07.2026 03.08.2026	334.35 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9466859122 dfo.fatehabad@yahoo.co.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.etenders.hry.nic.in
पीआरडीएच-11/2027/200/47656/1/88/6 दि. 29.07.26

मानसून सत्र: जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई पर हंगामा 'गृह मंत्री शाह ने छात्रों पर गोली चलवाई' वाले राहुल के बयान पर संसद में बवाल

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

लोकसभा में काँग्रेस जनता पार्टी और उसके आंदोलन की गूंज बुधवार को सदन में जमकर हंगामा हुआ। आंदोलनकारियों पर कथित बल प्रयोग को लेकर विपक्ष और सरकार आमने सामने आ गए। अपने भाषण में राहुल गांधी ने सदन में आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान हुआ बल प्रयोग और गोली बारी की कार्रवाई गृह मंत्री के आदेश पर हुई। उनके आरोपों पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में जानकारी दी कि घटना में गोली चलाई ही नहीं गई, केवल आंसू गैस का इस्तेमाल हुआ। राहुल के भारतीय कानूनों के अपूर्व ज्ञान के बारे में भी तंज कसते हुए, जितेंद्र सिंह ने आगे कहा कि नेता प्रतिपक्ष को यह पता होना चाहिए कि गोली चलाने का आदेश मंत्री नहीं, मजिस्ट्रेट देता है।

लोकसभा में राहुल गांधी और किरेन रिजिजू में आरोप-प्रत्यारोप



►► प्रश्नपत्र लीक: दोषियों के लिए सख्त सजा का प्रावधान : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकसभा में पारित 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं की रक्षा करता है, क्योंकि इसमें सार्वजनिक परीक्षाओं की शुचिता भंग करने वालों को कठोर सजा देने के लिए बेहद सख्त प्रावधान किए गए हैं। शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में विधेयक, 2026' के पारित होने पर छात्र को बधाई दी।

एक टीटीई 5 एसी या 3 स्लीपर कोच करेंगे चेक रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बताया कि भारतीय रेलवे में कर्मियों का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए नए दिशानिर्देश लागू किए गए हैं। ट्रेवलिंग टिकट परीक्षक (टीटीई) को अधिकतम 5 एसी डिब्बों या 3 चेयर कार/स्लीपर डिब्बों में टिकट जांच की जिम्मेदारी दी जाती है। नांदेड से कांग्रेस सांसद रवींद्र वसंतराव चव्हाण द्वारा टीटीई पर बढ़ते काम के बोझ से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि ट्रेन में तैनात टीटीई की संख्या डिब्बों के प्रकार पर निर्भर करती है। इससे यात्रियों को बेहतर मदद संभव होती है।

अहमदाबाद विमान हादसे पर केंद्र ने दी जानकारी

बोइंग के फ्यूल कंट्रोल स्विच में खराबी नहीं जांच अभी भी जारी

केंद्र ने कहा कि एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के फ्यूल कंट्रोल स्विच लॉकिंग मैकेनिज्म में कोई खराबी नहीं मिली। यह विमान पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हादसे का शिकार हो गया था, जिसमें कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोले ने रास को बताया कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के आदेश पर लगातार एयरवर्दीनेस जांच के तहत गिरफ्त में ऑरिजिनल इक्विपमेंट मैनुफैक्चरर स्तर पर फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच की गई थी।

मप्र सरकार 60 फीसदी मूंग खरीदेगी, खाद की ई-टोकन व्यवस्था रोकी, 10 अगस्त तक स्लॉट बुकिंग

हरिभूमि न्यूज ►► मोपाल

मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना ने घोषणा की कि सरकार 60% तक मूंग खरीदेगी। नर्मदापुरम, सीहोर और हरदा जैसे जिलों में करीब 3 क्विंटल प्रति एकड़ मूंग खरीदी जाएगी। साथ ही स्लॉट बुकिंग की अवधि 10 अगस्त तक बढ़ा दी गई है, जबकि मूंग खरीदी की अंतिम तारीख 20 अगस्त कर दी गई है। साथ ही खाद वितरण में लागू ई-टोकन व्यवस्था भी फिलहाल स्थगित कर दी गई है। सरकार और किसान प्रतिनिधियों के बीच मंत्रालय में हुई बैठक के बाद आंदोलन समाप्त हो गया। एडिशनल सीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि किसानों ने सहमति

मप्र में तीन दिन बाद आंदोलन अब खत्म, घर लौटे किसान



सरकार-किसान प्रतिनिधियों में सहमति सरकार और किसान प्रतिनिधियों के बीच सहमति बनने के बाद किसान अपने-अपने घरों के लिए रवाना हो गए। प्रशासन ने बसों के जरिए किसानों को उनके वाहनों तक पहुंचाया। देर रात तक आंदोलन पूरी तरह समाप्त हो गया।

जता दी है। प्रशासन ने रौशनपुरा चौराहे से किसानों को बसों के जरिए उनकी गाड़ियों तक पहुंचाकर रवाना किया। बाद में रौशनपुरा चौराहा लगभग खाली हो गया।

यूं चला प्रदर्शन कुछ युवा किसानों ने सरकार के फैसले पर असहमति जताई। उनका कहना है कि 3 क्विंटल प्रति एकड़ खरीदी से किसानों को राहत नहीं मिलेगी। सरकार को कम से कम 5 क्विंटल प्रति एकड़ मूंग खरीदनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान किसान चार लेयर बैरिकेडिंग तोड़ते हुए आगे बढ़े। उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास का घेराव किया, फिर मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच किया। एमपी नगर में पुलिस और किसानों के बीच धक्का-मुक्की हुई।

चंडीगढ़ में सांसद अमृतपाल समर्थकों का जोरदार प्रदर्शन



चंडीगढ़। अकाली दल (वारिस पंजाब दे) के वर्कर्स द्वारा बुधवार को बंदी सांसद अमृतपाल की रिहाई की मांग को लेकर चंडीगढ़ में पंजाब के सीएम भगवंत मान की सरकारी रिहायश का घेराव किया जा रहा है। पुलिस द्वारा पार्टी के समर्थकों को चंडीगढ़ में घुसने से रोकने के लिए सख्त प्रबंध करते

हुए बैरिकेडिंग की गई थी। वहीं इस दौरान मोहाली-चंडीगढ़ बॉर्डर पर माहौल गरमा गया और पार्टी वर्कर चंडीगढ़ पुलिस से भिड़ गए हैं। मौके पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड फेंक दिए। यहां उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का भी इस्तेमाल किया गया जिसका प्रदर्शनकारियों ने मुंह मोड़ दिया।

पंजाब में बेडरूम के नीचे शराब का टैंक मिला 8 फीट नीचे मिली 1000 लीटर की टंकी, टुल्लू पंप से होती थी सप्लाई

कपूरथला में अवैध शराब के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

एजेसी ►► कपूरथला (पंजाब)

पंजाब के कपूरथला में आबकारी विभाग और पुलिस ने अवैध शराब नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। एक मकान के बेडरूम के फर्श के नीचे करीब 8 फीट पर 1000 लीटर क्षमता की टंकी मिली। इसमें स्पिरिट से तैयार अवैध शराब मिली। टुल्लू पंप और पाइपलाइन सिस्टम लगाया शराब की सप्लाई की जाती थी पुलिस ने खुदवाई करवाकर टंकी को निकाला। मौके से 270 लीटर अवैध शराब और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी बरामद किए गए। पुलिस की रेड करीब 18 घंटे तक चली। एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा आरोपी फरार है।



छापेमारी में शराब और उपकरण किया जब्त

गांव नवां पिंड भट्टे में एक मकान से अवैध शराब का कारोबार की सूचना पर आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने मकान पर दबिश दी। घर की तलाशी के दौरान कुछ संदिग्ध नहीं मिला, लेकिन बेडरूम के फर्श पर शक होने पर कंक्रीट तोड़ना शुरू किया। करीब 8 फीट नीचे खुदाई करने पर बड़ी अंडरग्राउंड टंकी मिली, जिसे बेहद शांति तरीके से छिपाया गया था। टीम ने 270 लीटर अवैध शराब, टुल्लू पंप, पाइपलाइन सिस्टम और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण बरामद किए।

तहसीलदार बता फोन पर 20 को बनाया शिकार तमिलनाडु में मुंडन कराओ सरकार से 15000 पाओ...

सलेम (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के सलेम में सोशल मीडिया से प्रेरित हैरान करने वाला प्रैंक महिलाओं के लिए मुसीबत बन गया। खुद को तहसीलदार बताने वाले ने फर्जी सरकारी योजना का झांसा देकर दवा किया कि खतरनाक बीमारी से बचने के लिए सिर मुंडवाने पर महिलाओं को 15 हजार

अजब-गजब मिलेंगे। उसकी बातों पर भरोसा कर तीन बुजुर्ग महिलाओं ने मुंडन करा लिया, जबकि कई अन्य भी तैयार थीं। तीन बुजुर्ग महिलाओं ने सरकारी इनाम मिलने की उम्मीद में सिर तक मुंडवा लिया। जब वादा किया गया पैसा नहीं मिला, तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ बड़ा धोखा हो चुका है।

मुंडन की तस्वीरें भेजीं



पुलिस के मुताबिक, 39 वर्षीय आरोपी ने अदूर तालुक की एक महिला को फोन कर खुद को सरकारी अधिकारी बताया। खतरनाक बीमारी से बचने के लिए सरकार ने अभियान शुरू किया है, जिसके तहत सिर मुंडवाने वाली को आर्थिक सहायता दी जाएगी। भरोसा दिलाने के लिए आरोपी ने वादाश्रय पर कुछ महिलाओं के मुंडन की तस्वीरें और 500 के नोटों की तस्वीरें भी भेजीं।

केरल में चोर मौत के बाद भी नहीं छोड़ रहे पीछा कब्र से भारी-भरकम ग्रेनाइट स्लैब उखाड़ ले गए चोर



लगातार दो दिनों में दो कब्रों से ग्रेनाइट की स्लैब चोरी

इतिहास के प्रतीक माने जाते हैं। मल्लपल्ली के 'मार थोमा चर्च' के कब्रिस्तान में सामने आई, जहां थाइकोट्राथिल परिवार के सदस्य की कब्र पर लगी ग्रेनाइट की स्लैब गायब मिली। गिरजाघर के प्रबंधन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इससे 24 घंटे पहले मंकुझीपाडी स्थित 'मार थोमा चर्च' के कब्रिस्तान में भी थॉमसकल परिवार से जुड़ी कब्र पर लगी बड़ी ग्रेनाइट स्लैब भी चोरी हो गई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पथनमथिट्टा (एजेसी)। केरल के पथनमथिट्टा जिले के मल्लपल्ली स्थित गिरजाघरों के कब्रिस्तान में चोरी की ऐसी घटना सामने आई है जिसने लोगों को हैरानी में डाल दिया। कब्रिस्तान में लगातार दो दिनों में दो कब्रों पर लगी ग्रेनाइट की स्लैब चोरी हो गई। कब्रें खुली पड़ी हैं और लोग यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ये किसने किया और आखिरकार कोई मृतकों के अंतिम विश्राम स्थल को क्यों निशाना बनाएगा? इन घटनाओं ने मल्लपल्ली के लोगों को सदमे में डाल दिया है। यहां कब्रिस्तान केवल दफनाने की जगह नहीं, बल्कि यादों, आस्था और पारिवारिक इतिहास के प्रतीक माने जाते हैं। मल्लपल्ली के 'मार थोमा चर्च' के कब्रिस्तान में सामने आई, जहां थाइकोट्राथिल परिवार के सदस्य की कब्र पर लगी ग्रेनाइट की स्लैब गायब मिली। गिरजाघर के प्रबंधन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इससे 24 घंटे पहले मंकुझीपाडी स्थित 'मार थोमा चर्च' के कब्रिस्तान में भी थॉमसकल परिवार से जुड़ी कब्र पर लगी बड़ी ग्रेनाइट स्लैब भी चोरी हो गई थी। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अलग-खबर



हरियाणा सरकार



LIFE
Lifestyle for Environment



हरियाणा साहित्य अकादमी



“आइए, हम सब मिलकर प्रकृति को हरा-भरा बनाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसके संरक्षण का संकल्प दोहराएं।”

- नरेन्द्र मोदी

77^{वां} राज्य स्तरीय वन महोत्सव

मुख्य अतिथि

श्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री, हरियाणा

विशिष्ट अतिथि

श्री मनोहर लाल

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामले, मंत्री

श्री हरविन्द्र कल्याण

अध्यक्ष, हरियाणा विधानसभा

अध्यक्षता

राव नरबीर सिंह

पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री, हरियाणा

30 जुलाई, 2026 | दोपहर 12:00 बजे

पं. दीन दयाल उपाध्याय आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, गांव कुटेल, करनाल

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें



आप सादर आमंत्रित हैं

वन एवं वन्यजीव विभाग, हरियाणा

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा

www.prharyana.gov.in | Follow us on  @diprharyana

चिंतन संसद की गरिमा और मर्यादा सर्वोपरि

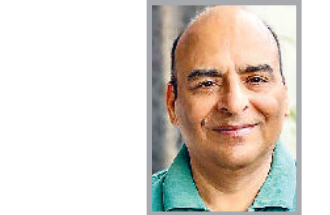
पेर पर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर संसद से देश को ठोस समाधान और सार्थक बहस की अपेक्षा होती है। विपक्ष को सरकार से कठिन सवाल पछुने का पूरा अधिकार है और सरकार को उनके जवाब देने की जिम्मेदारी है, लेकिन जब बहस का केंद्र असंसदीय शब्दों और आरोप-प्रत्यारोप पर आ जाता है, तो मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है। संसद में विचारों का संघर्ष लोकतंत्र की पहचान है, लेकिन शब्दों का संयम उसकी गरिमा और मर्यादा ही सदन की नींव है। बुधवार को लोकसभा में पेपर लीक से जुड़े संशोधन विधेयक पर हुई बहस इसी सवाल को फिर से सामने ले आई। बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगभग 50 मिनट तक अपनी बात रखी। उन्होंने छात्रों के आंदोलन का समर्थन किया और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। अपने भाषण में 'इंडियट' और 'अंधभक्त' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, जिस पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई बार हस्तक्षेप करते हुए इसे संसदीय मर्यादा के विपरीत बताया और माफी की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी हस्तक्षेप करते हुए आपत्तिजनक माने गए शब्दों को कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। अध्यक्ष द्वारा आपत्तिजनक माने गए शब्दों को कार्यवाही से हटाना संसदीय परंपरा का हिस्सा है। अंततः लोकतंत्र की मजबूती इस बात में है कि मतभेद कितने भी गहरे हों, संवाद शालीन, तथ्यपरक और मर्यादित बना रहे। बहस के दौरान गृह मंत्री पर छात्रों पर फायरिंग के आरोेश देने का आरोप भी लगाया गया, जिसे सरकार ने सिरे से खारिज किया। ऐसे गंभीर आरोपों की जांच और सत्यापन तथ्यों तथा कानून के आधार पर होनी चाहिए। संसद में बोले गए शब्द केवल तत्कालीन बहस तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे देश की लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि किसी शब्द की स्थायी 'प्रतिबंधित सूची' नहीं होती। किसी टिप्पणी को असंसदीय माना जाएगा या नहीं, इसका निर्णय उसके संदर्भ, प्रभाव और सदन की गरिमा के आधार पर अध्यक्ष या सभापति करते हैं। यही कारण है कि समय-समय पर विभिन्न शब्द कार्यवाही से हटाए जाते रहे हैं। यह प्रक्रिया किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि संसद की संस्थागत गरिमा को बनाए रखने के लिए होती है। आज देश के करोड़ों युवा संसद की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं। वे चाहते हैं कि उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों पर गंभीर बहस हो, ठोस नीतियां बनें और समाधान निकले। यदि चर्चा का केंद्र असंसदीय शब्द, नारे और राजनीतिक टक्करा बन जाए, तो सबसे अधिक निराशा उन्हीं युवाओं को होती है, जिनके हितों की रक्षा के लिए संसद अस्तित्व में है। लोकतंत्र की शक्ति सत्ता और विपक्ष, दोनों की जिम्मेदारी से बढ़ती है। विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से कठिन और असहज प्रश्न पूछे, जबकि सरकार का दायित्व है कि वह तथ्यों और जवाबदेही के साथ उनका उत्तर दे। लेकिन दोनों पक्षों की समान जिम्मेदारी यह भी है कि संसद की गरिमा और मर्यादा किसी भी राजनीतिक संघर्ष से ऊपर रहे। मतभेद जितने भी तीखे हों, संवाद तथ्यपरक, संयमित और जनहित केंद्रित होने चाहिए और सभी दल यह ध्यान रखें की सदन की गरिमा और मर्यादा सर्वोपरि है, इसे बनाए रखना सबका दायित्व है।

शिक्षा व्यवस्था अजय जैन

शिक्षा व्यापार नहीं, राष्ट्र निर्माण का सर्वोच्च साधन

नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला छात्रों का आंदोलन केवल प्रश्नपत्र लीक होने के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि वह देश के करोड़ों युवाओं की उस पीड़ा, निराशा और आक्रोश का प्रतीक रहा है, जिनके सपने बार-बार एक भ्रष्ट और असफल व्यवस्था की भेंट चढ़ जाते हैं। केंद्र तथा राज्य सरकारों की विभिन्न भर्ती एजेंसियों द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों का लगातार लीक होना आज देश की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक बन चुका है। प्रत्येक प्रश्नपत्र लीक केवल प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि उन लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के विश्वास के साथ विश्वासघात है, जिन्होंने वर्षों की मेहनत, समय और धन इस आशा में लगाया कि उन्हें योग्यता के आधार पर अवसर मिलेगा। इस समस्या का प्रभाव केवल आर्थिक नहीं है। यह विद्यार्थियों और उनके परिवारों को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से भी तोड़ देता है। देश के दूर-दराज गांवों से आने वाले छात्रों की स्थिति और भी अधिक दयनीय है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उन्हें दिल्ली, कोटा, हैदराबाद और अन्य महानगरों में आना पड़ता है। वे अत्यंत छोटे, भीड़भाड़ वाले कमरों में अमानवीय परिस्थितियों में रहने को विवश होते हैं। देश अभी भी उन दर्दनाक घटनाओं को नहीं भूलता है, जब पिछले वर्ष बाढ़ के कारण कई छात्रों की जान चली गई थी। समय-समय पर कोचिंग संस्थानों में आग लगने जैसी घटनाओं ने भी सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। इससे भी अधिक दुखद यह है कि अनेक छात्र प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाएं निरस्त होने या बार-बार स्थगित होने के कारण गहरे अवसाद में चले जाते हैं। कुछ छात्र आत्महत्या जैसा भयावह कदम उठाने तक को विवश हो जाते हैं। हर बार परीक्षा रद्द होने का अर्थ है-फिर से तैयारी, फिर से कोचिंग फीस, फिर से किराया, भोजन और जीवन-यापन का खर्च। यह बोझ उन माता-पिताओं के लिए असहनीय हो जाता है, जो अपनी सीमित आय में अपने बच्चों के भविष्य के लिए सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन की प्रमुख मांग तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेश प्रधान के इस्तीफे की थी। व्यापक जनक्रोश और छात्रों के दबाव के बीच उन्होंने अपना पद छोड़ दिया। किंतु सबसे बड़ा प्रश्न आज भी हमारे सामने खड़ा है-क्या केवल मंत्री के इस्तीफे से यह सुनिश्चित हो जाएगा कि भविष्य में कोई प्रश्नपत्र लीक नहीं होगा? उत्तर स्पष्ट है-नहीं। समस्या किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन तथा आधुनिक डिजिटल सुरक्षा तकनीकों का युग है। भारत के पास ऐसी तकनीकी क्षमता उपलब्ध है जिससे लगभग पूर्णतः सुरक्षित परीक्षा प्रणाली विकसित की जा सकती है। आवश्यकता केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और संस्थागत जवाबदेही की है। दुर्भाग्य से सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही प्रायः तात्कालिक राजनीतिक लाभ-हानि में उलझे रहते हैं, जबकि समस्या कहीं अधिक मौलिक है। ऐसा प्रतीत होता है कि पिछले कई दशकों में विभिन्न सरकारों के कार्यकाल के दौरान एक संगठित 'शिक्षा माफिया' विकसित हो गया है, जिसने शिक्षा को सेवा नहीं बल्कि व्यापार बना दिया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा धीरे-धीरे सामान्य नागरिक की पहुंच से बाहर होती जा रही है। एक समय था जब प्री-मैट्रिक, प्री-इंजीनियरिंग अथवा विद्यालयी शिक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर योग्यता सूची तैयार होती थी और उसी के आधार पर व्यावसायिक संस्थानों में प्रवेश मिलता था। आज परिस्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। हजारों छात्र ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में केवल 'डमी एडमिशन' लेकर अपना अधिकांश समय महंगे कोचिंग संस्थानों में बिताते हैं। आज आवश्यकता सम्पूर्ण शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की है। भर्ती परीक्षाओं को अत्याधुनिक तकनीक से सुरक्षित बनाया जाए, पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो तथा गुणवत्तापूर्ण सरकारी शिक्षा को सुलभ और सशक्त बनाया जाए। साथ ही निजी शिक्षण संस्थानों के प्रभावी नियमन तथा योग्यता-आधारित प्रवेश प्रणाली को पुनः स्थापित करना समय की मांग है। शिक्षा को व्यापार नहीं, राष्ट्र निर्माण का सर्वोच्च साधन माना जाना चाहिए। हमें अपनी उस पुरानी परंपरा की ओर लौटना होगा, जहां शिक्षा को एक पवित्र दायित्व समझा जाता था, न कि लाभ कमाने का माध्यम। यदि हम केवल मंत्रियों के इस्तीफों तक सीमित रहेंगे और शिक्षा व्यवस्था की मूल समस्याओं का समाधान नहीं करेंगे, तो करोड़ों युवाओं का भविष्य बार-बार इसी प्रकार अनिश्चितता, निराशा और अन्याय का शिकार होता रहेगा।

(लेखक पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)



मुद्दा पंकज चतुर्वेदी

ऐसा क्यों होता है कि बरसात आते ही आते ही देश के विकास के प्रतिमान ढहने लगते हैं । कई हजार करोड़ की संरचनाएं तकनीकी कारणों से जानलेवा बन जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में राजमार्गों का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं, नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, समुद्र पर लंबे पुल तैयार हो रहे हैं और स्मार्ट शहरों का सपना आकार ले रहा है। सरकारें इन परियोजनाओं को नए भारत की पहचान के रूप में प्रस्तुत करती हैं। इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। पिछले कुछ वर्षों में नई बनी सड़कों का पहली बारिश में उखड़ जाना, उद्घाटन के कुछ समय बाद ही पुलों में दरारें आना, निर्माणाधीन पुलों का गिर जाना और सार्वजनिक इमारतों की छतों का ढह जाना एक गंभीर प्रश्न खड़ा करता है-क्या हम टिकाऊ विकास कर रहे हैं या केवल विकास का प्रदर्शन? दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे हो या फिर प्रगति मैदान की सुरंग, बरसात में जलजमाव होना आम बात है। बिहार में गंगा पार का अगुवानी-सुल्तानगंज पुल निर्माण के दौरान दो बार ढह गया। इस परियोजना पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च हो चुके थे। इसके बावजूद लंबे समय तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि डिजाइन में कमी थी, निर्माण सामग्री दोषपूर्ण थी या निगरानी में गंभीर लापरवाही हुई। इसी प्रकार, बिहार में कई छोटे पुलों और पुलियों के लगातार गिरने की घटनाओं ने राज्य की निर्माण व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का गिरना भी केवल एक तकनीकी विफलता नहीं था। करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित प्रतिमा का अपेक्षाकृत कम समय में ढह जाना यह बताता है कि गुणवत्ता परीक्षण और संरचनात्मक सुरक्षा के मानकों की अनदेखी कितनी महंगी पड़ सकती है। करीब 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बने गंगा एक्सप्रेसवे का दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (विशेषकर हाथ कररोड़ा गांव के समीप) कई जगहों से धंस गया था। इसके कारण बने बड़े-बड़े गड्ढों से कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अधिकांश दुर्घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ अधिकारियों का तबादला या निलंबन होता है और फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। दोष तय नहीं होता, न किसी बड़ी निर्माण एजेंसी की जवाबदेही सुनिश्चित होती

ईश्वर की प्राप्ति ही जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य

गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने ईश्वर प्राप्ति के तीन -ज्ञान, कर्म तथा भक्ति मार्ग बताए हैं। ज्ञान मार्ग में सांख्य की सहायता से मनुष्य तर्क-वितर्क द्वारा तत्व ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश करता है, परंतु अक्सर तर्क-वितर्क में वह अपने मार्ग से भटक जाता है। कर्म मार्ग में भी मनुष्य को निष्काम भाव से कर्म करना होता है। अपने कर्म को ईश्वर को समर्पित करना पड़ता है। इसलिए इसमें भी भटकने की पूरी संभावना होती है। वहीं भक्ति मार्ग में वह अपने आप को पूर्णतया ईश्वर भक्ति में समर्पित कर देता है। वह स्वयं को विचलित नहीं करता है। इसलिए भक्ति मार्ग में ईश्वर प्राप्ति की पूरी संभावना होती है। इन तीनों मार्गों पर चलकर सफल होने के लिए मनुष्य को अष्टांग योग के पहले दो चरणों को जीवन में अपनाना जरूरी है। यह हैं यम और नियम। यम में सत्य, अहिंसा, ब्रह्माचर्य, अस्तेय और अपरिग्रह आते हैं। सत्य शब्द से तात्पर्य है सत्यता का जीवन में हर समय पालन करना। अहिंसा केवल जीव हिंसा से ही संबंधित नहीं है, इसमें दूसरों की भावनाओं को आहत नहीं करना भी आता है। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना और अपरिग्रह से तात्पर्य है कि आवश्यकता से ज्यादा किसी वस्तु या धन का संग्रह न करना। वहीं नियम में शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्राणिपत्ति आते हैं। शौच से मतलब मन को सफाई होता है। इसके लिए मनुष्य को स्वाध्याय को अपनाना चाहिए। यम और नियम को जीवन में अपनाने के लिए सर्वप्रथम ज्ञानेन्द्रियों पर नियंत्रण करना जरूरी है।



करंट अफेयर

पीओके के प्रदर्शनकारी पाक के दुश्मन : रक्षा मंत्री आसिफ

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में प्रदर्शनकारियों को भारत की तरह दुश्मन बताते हुए कहा है कि उनके साथ कोई बातचीत नहीं की जाएगी । इस बीच, पीओके में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में मरने वालों की संख्या बुधवार को बढ़कर 20 हो गई । प्रतिबंधित ज्वाइंट अवाफी एक्शन कमेटी (जेएएससी) ने बुधवार को कहा कि सोमवार से पीओके में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ हुई झड़पों में उसके कम से कम 20 कार्यकर्ता मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं । हालांकि, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने मृतकों की संख्या पर सवाल उठाते हुए प्रदर्शनकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की । ख्वाजा आसिफ ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, ‘प्रदर्शनकारियों के साथ कोई बातचीत नहीं होगी । मैं उन्हें भारत की ही श्रेणी में मानता हूं और उन्हें पाकिस्तान का दुश्मन समझता हूं ।’वहीं, प्रधानमंत्री के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने कहा कि जेएएससी ने उनके साथ एक बैठक की थी और अपनी 38 मांगें रखी थीं । उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी मुजफ्फराबाद और मीरपुर पर बलपूर्वक कब्जा करना चाहते हैं ।

विकास कार्यों की जवाबदेही भी तय हो

आखिर ऐसा क्यों होता है कि बरसात आते ही देश के विकास के प्रतिमान ढहने लगते हैं। कई हजार करोड़ की संरचनाएं तकनीकी कारणों से जानलेवा बन जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश में राजमार्गों का जाल बिछ रहा है, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाएं शुरू हो रही हैं, नए हवाई अड्डे बन रहे हैं, समुद्र पर लंबे पुल तैयार हो रहे हैं और स्मार्ट शहरों का सपना आकार ले रहा है। सरकारें इन परियोजनाओं को नए भारत की पहचान के रूप में प्रस्तुत करती हैं। इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। पिछले कुछ वर्षों में नई बनी सड़कों का पहली बारिश में उखड़ जाना, उद्घाटन के कुछ समय बाद ही पुलों में दरारें आना, निर्माणाधीन पुलों का गिर जाना और सार्वजनिक इमारतों की छतों का ढह जाना एक गंभीर प्रश्न खड़ा करता है-क्या हम टिकाऊ विकास कर रहे हैं या केवल विकास का प्रदर्शन?

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे हो या फिर प्रगति मैदान की सुरंग, बरसात में जलजमाव होना आम बात है। बिहार में गंगा पार का अगुवानी-सुल्तानगंज पुल निर्माण के दौरान दो बार ढह गया। इस परियोजना पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च हो चुके थे। इसके बावजूद लंबे समय तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि डिजाइन में कमी थी, निर्माण सामग्री दोषपूर्ण थी या निगरानी में गंभीर लापरवाही हुई। इसी प्रकार, बिहार में कई छोटे पुलों और पुलियों के लगातार गिरने की घटनाओं ने राज्य की निर्माण व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का गिरना भी केवल एक तकनीकी विफलता नहीं था। करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित प्रतिमा का अपेक्षाकृत कम समय में ढह जाना यह बताता है कि गुणवत्ता परीक्षण और संरचनात्मक सुरक्षा के मानकों की अनदेखी कितनी महंगी पड़ सकती है। करीब 36,230 करोड़ रुपये की लागत से बने गंगा एक्सप्रेसवे का दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (विशेषकर हाथ कररोड़ा गांव के समीप) कई जगहों से धंस गया था। इसके कारण बने बड़े-बड़े गड्ढों से कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुईं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अधिकांश दुर्घटनाओं के बाद कुछ दिनों तक चर्चा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ अधिकारियों का तबादला या निलंबन होता है और फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। दोष तय नहीं होता, न किसी बड़ी निर्माण एजेंसी की जवाबदेही सुनिश्चित होती

है और न ही ऐसी घटनाओं से सीख लेकर व्यवस्था में व्यापक सुधार दिखाई देता है। ऐसी घटनाएं केवल इंजीनियरिंग की विफलता नहीं हैं। इनके पीछे कई स्तरों की समस्याएं काम करती हैं। पहली समस्या है समय से पहले परियोजना पूरी करने का राजनीतिक दबाव। आज अधिकांश बड़ी परियोजनाएं चुनावी कैलेंडर से जुड़ जाती हैं। उद्घाटन की तारीख तय हो जाती है और फिर निर्माण एजेंसियों पर समय सीमा पूरी करने का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में गुणवत्ता परीक्षण, अंतिम निरीक्षण और तकनीकी मानकों के पालन में समझौते की आशंका बढ़ जाती है। दूसरी समस्या है सबसे कम बोली आधारित



ठेका प्रणाली। सरकारी खरीद में कम लागत निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन जब प्रतिस्पर्धा केवल सबसे सस्ता ठेका पाने तक सीमित रह जाए तो गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। कई बार ठेकेदार बाद में लागत की भरपाई घंटिया सामग्री, कम गुणवत्ता वाले श्रम या तकनीकी मानकों में कटौती करके करते हैं। तीसरी और सबसे गंभीर समस्या है जवाबदेही का अभाव। किसी पुल के गिरने, सड़क के धंसने या सरकारी भवन के ढहने के बाद यदि दोषी इंजीनियर, निर्माण एजेंसी या निगरानी संस्था पर कठोर कार्रवाई नहीं होती तो यह संदेश जाता है कि सार्वजनिक धन की बर्बादी की कोई वास्तविक कीमत नहीं चुकानी पड़ेगी। यही कारण है कि गलतियां दोहराई जाती हैं। विडंबना यह है कि भारत में परियोजनाओं की सफलता का मूल्यांकन अक्सर उनकी लागत, लंबाई या उद्घाटन की तारीख से किया जाता है, न कि उनकी डिजाइन आयु और टिकाऊपन से। यदि किसी पुल की अनुमानित आयु सी वर्ष है, लेकिन वह दस वर्ष में ही बड़ी मरम्मत मानने लगे, तो उसे सफल परियोजना नहीं कहा जा सकता, चाहे उसका उद्घाटन कितने ही भव्य तरीके से हुआ हो। जलवायु परिवर्तन का



आज की पाती

अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग न हो
लोकतंत्रीय व्यवस्था में संविधान के अनुसार हर नागरिक को अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए अभिव्यक्ति/प्रदर्शन व अहिंसक/ शांतिपूर्ण मार्ग का अधिकार दिया गया है। किंतु उसका बेजा उपयोग या दुरुपयोग कानूनी जुर्म होगा। अगर अभिव्यक्ति/प्रदर्शन अहिंसक और शांतिपूर्ण है तो सरकारी कानून-व्यवस्था का अनावश्यक उपयोग भी संविधान के अनुसार गैरकानूनी माना जा संकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में पेपर लीक के मामले में सीजेपी द्वारा छात्रों को लेकर अहिंसक प्रदर्शन/आंदोलन व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर संज्ञान लेते हुए यही कहा है कि प्रदर्शनकारी हों या पुलिस, यदि किसी ने भी किसी पर अनावश्यक मजबूती की है तो वे कानून के दायरे में आएंगे। - *संजय द्विवेदी, हिसार*

ऑफ बीट

भाषाओं को खत्म कर रहा जलवायु परिवर्तन

अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के केलर में रहने वाली पॉलिन स्टेंस्मगर का दो मई 2023 में 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया और उनके साथ उनकी भाषा भी खत्म हो गई। पॉलिन ‘इन-हा- उम-चीन’ भाषा बोलने वाली अंतिम व्यक्ति थीं। वॉशिंगटन राज्य क्षेत्र में अमेरिका के रहने वाले कुछ समूह इस भाषा में बात किया करते थे। पॉलिन के अपनी भाषा के प्रति प्यार का धन्यवाद, जिसकी वजह से हम इस भाषा से पूरी तरह अनजान नहीं हैं। सैलिश स्कूल ऑफ स्पोकन के प्रधानाचार्य क्रिस्टोफ़र पार्किन ने बताया कि पॉलिन स्टेंस्मगर ने छह पाठ्यपुस्तकों की रचना की और उनके पास भाषा की 100 से ज्यादा रिकॉर्डिंग हैं। अगर कोई भी ‘इन-हा-उम-चीन’ सीखना चाहता है तो वह सीख सकता है। लेकिन कुछ हलुत भाषाएं, ‘इन-हा-उम-चीन’ जितनी भाग्यशाली नहीं हैं। हम इन्हें हमेशा के लिए खो सकते हैं। दुनिया के कुछ हिस्से भाषाओं के संदर्भ में समृद्ध हैं लेकिन वहां लाखों लोग पर्यावरणीय आपदाओं के चलते विस्थापित होने के लिए मजबूर हैं, जो भाषाओं के विलुप्त होने का एक प्रमुख कारण है। दुनियाभर में आज सात हजार से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं, जिनका इतिहास है और इन्हें बोलने वालों के पास इनका ज्ञान भंडार है।

विचार हरिभूमि 6

तर्क भी अक्सर सामने रखा जाता है। निश्चित रूप से अत्यधिक वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाएं बढ़ी हैं। लेकिन यदि विकासित देशों में इन्हें परिस्थितियों में बने पुल और सड़कें दशकों तक सुरक्षित रह सकती हैं, तो भारत में हर बार प्राकृतिक आपदा को ही दोष नहीं दिया जा सकता। आधुनिक इंजीनियरिंग का उद्देश्य ही बदलती जलवायु को ध्यान में रखकर संरचनाएं तैयार करना है। इस समस्या का एक सामाजिक पक्ष भी है। जब किसी सड़क के बार-बार मरम्मत की आवश्यकता होती है, तो उसकी वास्तविक लागत कई गुना बढ़ जाती है। इसका भुगतान अंततः करदाता करता है। दुर्घटनाओं में जान-माल की हानि अलग होती है। खराब आधारभूत संरचना उद्योग, पर्यटन, परिवहन और निवेश-सभी को प्रभावित करती है। इसलिए यह केवल तकनीकी या प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि आर्थिक विकास और नागरिक सुरक्षा का प्रश्न भी है। समाधान भी स्पष्ट हैं, बशर्ते उन्हें लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति हो। प्रत्येक बड़ी परियोजना का स्वतंत्र तृतीय-पक्ष गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए। निर्माण पूरा होने के बाद केवल उद्घाटन नहीं, बल्कि विस्तृत सुरक्षा प्रमाणन सार्वजनिक किया जाना चाहिए। दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों को ब्लैकलिस्ट करने की व्यवस्था वास्तव में लागू होनी चाहिए। नियंत्रक एवं मसलखा परीक्षक (सीएजी) तथा अन्य तकनीकी संस्थाओं की रिपोर्टें पर समयबद्ध कार्रवाई हो। साथ ही, परियोजनाओं की पूरी जानकारी-लागत, ठेकेदार, गुणवत्ता परीक्षण और रखरखाव-जनता के लिए ऑनलाइन उपलब्ध होनी चाहिए। भारत को विकास की गति धीमी करने की आवश्यकता नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि विकास की गति और गुणवत्ता दोनों साथ चलें। दुनिया में किसी भी देश की पहचान केवल ऊंची इमारतों, लंबे पुलों या चौड़ी सड़कों से नहीं बनती, बल्कि उनसे बनती हैं जो दशकों तक सुरक्षित, टिकाऊ और भरोसेमंद बनी रहें। यदि हम हर दुर्घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करेंगे, मुआवजा घोषित करेंगे और फिर अगली दुर्घटना की प्रतीक्षा करेंगे, तो यह विकास नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों की निरंतर बर्बादी होगी। अब समय आ गया है कि भारत में आधारभूत संरचना का मूल्यांकन केवल उसकी संख्या से नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, टिकाऊपन और जवाबदेही से किया जाए। क्योंकि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसके उद्घाटनों में नहीं, बल्कि उन संरचनाओं में होती है जो आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित खड़ी रहती हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, वे उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

पति-पत्नी के बीच अविश्वास नहीं होना चाहिए

शिव जी और सती को रास्ते में श्रीराम दिखाई दिए। श्रीराम सीता के वियोग में रो रहे थे। शिव जी ने श्रीराम को दूर से ही प्रणाम किया और देवी सती से कहा कि तुम भी भगवान को प्रणाम करो। सती ने सोचा कि जो व्यक्ति रो रहा है, वह भगवान कैसे हो सकता है। शिव जी ने समझाया कि आप श्रीराम पर संदेह न करें, वे भगवान ही हैं। शिव जी तो वहां से चले गए, लेकिन देवी सती ने सोचा कि वे श्रीराम की परीक्षा लेंगी। ऐसा सोचकर वे सीता का रूप धारण करके श्रीराम के सामने पहुंच गईं। श्रीराम ने उन्हें पहचान लिया, प्रणाम किया और पूछा कि देवी आप अकेली आई हैं, भगवान शिव कहा हैं। श्रीराम की बात सुनकर सती लज्जित हो गई और चुपचाप शिव जी के पास लौट आई। इसके बाद शिव जी ने देवी सती का मानसिक त्याग कर दिया था। इस घटना के कुछ समय बाद देवी सती के पिता ने एक यज्ञ का आयोजन किया था। यज्ञ में दक्ष ने शिव-सती को छोड़कर सभी देवी-देवताओं को बुलाया था। जब ये बात सती को मालूम हुई तो उन्होंने शिव जी से पिता के यहां जाने की अनुमति मांगी। शिव जी ने सती को समझाया कि हमें ऐसे आयोजन में बिना बुलाए नहीं जाना चाहिए, लेकिन सती ने शिव जी का बात नहीं मानी और पिता के वहां यज्ञ में चली गई। सती जब यज्ञ स्थल पर पहुंची तो दक्ष ने सती के सामने ही शिव जी का अपमान करना शुरू कर दिया। सती ये सहन नहीं सकी और यज्ञ कुंड में कूदकर देह त्याग दी।



परीक्षा संशोधन विधेयक

लोकसभा ने व्यापक बहस के बाद सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 पारित कर दिया है। यह भारत की परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। - राजनाथ सिंह, रसातंत्री

हर छात्र का अपमान

रेगिस्ट्र कार बचाव करने वाले व्यक्ति से ज्यादा घटिया और कोई नहीं हो सकता। प्रह्लाद जोशी हमारे शिक्षा तंत्र और उसमें पढ़ने वाले हर छात्र का अपमान है। उनके अधीन संस्थानों ने करोड़ों युवतिया पढ़ती है। भारत की महिलाएं पीछा नौदी के नए दिशा मंत्री को कभी स्वीकार नहीं करेंगी। - राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 69 किलोमीटर मीलेटोलन इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर हरजिंदर कौर और पुरुषों की 10,000 मीटर रैड्स में सिल्वर मेडल जीतने पर गुलवीर सिंह को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं! - नीतीश कुमार, राज्यसभा सांसद, जदयू

शिक्षा विभाग में खाली पद

बीजेपी ने अपने 'संकल्प पत्र 2023' के पेज 33 पर लिखित रूप में वादा किया था: "एक शिक्षा विभाग में सभी खाली पदों को एक साल के भीतर भरणे के लिए प्रतिबद्ध है।" आज शिक्षा विभाग में खाली पदों की संख्या बढ़कर लगभग डेढ़ लाख हो गई है। - अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001
फोन- 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

गुलवीर ने 10 हजार मीटर दौड़ में भारत को दिलाया पहला पदक

एथलेटिक्स में दूसरा रजत पदक

एजेसी ►► ग्लास्गो

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर नया इतिहास रचा। इसके साथ ही वह इस स्पर्धा में राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। एथलेटिक्स में भारत का यह दूसरा रजत पदक है। इससे पहले सर्वेश कुशारे ने पुरुषों की ऊंची कूद में रजत पदक जीता था।

बारिश और पानी से भरे ट्रैक में दौड़े गुलवीर

राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर ने 'स्कॉट्सटाउन स्टेडियम' में लगातार हो रही बारिश और पानी से भरे ट्रैक जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पूरी दौड़ में अग्रणी धावकों के साथ अपनी जगह बनाए रखी। अंतिम चरण में उन्होंने जबरदस्त तेजी दिखाई और 27 मिनट 49.78 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया के कार्ल रॉबिन्सन ने 27:48.93 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुलाकी 27:50.28 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहे।



नहीं पड़ता मौसम का असर : गुलवीर

गुलवीर ने कहा, 'पदक जीतकर हमेशा अच्छा लगता है। दौड़ अच्छी रही, बारिश भी हुई, लेकिन जब आप पदक जीतते हैं तो बारिश हो, धूप हो, गर्मी हो या कुछ और हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।' उन्होंने कहा, 'मैंने सब कुछ भगवान पर छोड़ दिया था। दौड़ से पहले मैंने सर्वशक्तिमान से कहा था, देख लेना प्रभु!'

अफ्रीकी धावकों को पीछे छोड़ा

अमेरिका में कोच स्कॉट सिम्स के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे गुलवीर ने मजबूत प्रतिस्पर्धा के बीच बेहतरीन रणनीति अपनाई। इस दौड़ में कीनिया के 2023 की विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता डेनियल एबेये जेसे कई दिग्गज अफ्रीकी धावक भी शामिल थे। लगातार बारिश के बावजूद गुलवीर अधिकांश समय शीर्ष समूह के साथ बने रहे और अंतिम लैप में अपनी गति को बढ़ाकर मुलाकी को पीछे छोड़ते हुए रजत पदक पर कब्जा जमाया।

40 साल बाद विजेताओं में अफ्रीकी धावक नदारद

गुलवीर के इस प्रदर्शन के साथ एक और बड़ा इतिहास भी बना। वर्ष 1986 के बाद पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 10 हजार मीटर स्पर्धा के पदक विजेताओं में किसी भी अफ्रीकी धावक का नाम शामिल नहीं रहा। यह उपलब्धि 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में अविनाश साबले द्वारा 3000 मीटर स्टीपलचेज में कीनिया के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को तोड़ते हुए रजत पदक जीतने की याद भी ताजा कर गई।

टेबल टेनिस: पुरुष और महिला टीम फाइनल में

नई दिल्ली (भाषा)। भारत की पुरुष और महिला टीम ने बुधवार को यहां 22वीं राष्ट्रमंडल टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अपने-अपने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम ने एकतरफा मुकाबले में इंग्लैंड को 3-0 से हराकर प्रतियोगिता में अपना अजेय अभियान जारी रखा। मनुष शाह ने कॉनर वॉन को 11-9, 11-9, 11-6 से हराकर भारत की अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने बार्थी आंख के ऊपर 13 टॉके होने के बावजूद शानदार प्रदर्शन करते हुए जोसेफ हंटर को 11-8, 11-4, 11-5 से शिकस्त दी। अनुमवी हरमीत देसाई ने बैंगमिन पिगॉट को 11-5, 11-5, 11-5 से हराकर भारत की 3-0 की जीत सुनिश्चित की। भारतीय पुरुष टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच गंवाए बिना फाइनल में जगह बनाई। महिला टीम की हालांकि कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा लेकिन उसने इंग्लैंड को 3-1 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता श्रीजा अकुला ने चियुक् लाम जैस्मिन वॉंग को 11-6, 11-3, 11-9 से हराकर भारत की बढ़त दिलाई। इंग्लैंड की टिन-टिन हो ने यशरिक्वी घोरपड़े को 11-9, 11-6, 11-7 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद सिड्रेला दास ने ऐना वॉन को 11-7, 11-4, 11-9 से हराकर भारत को फिर बढ़त दिलाई। चौथे मुकाबले में श्रीजा ने टिन-टिन हो को पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-8, 5-11, 11-6, 8-11, 11-9 से हराकर भारत की जीत सुनिश्चित की। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के फाइनल में अब भारत का सामना मलेशिया से होगा।

पुरुष पेयर्स लॉन बॉल्स : नामीबिया को हराकर भारत ने दर्ज की दूसरी जीत

ग्लास्गो (भाषा)। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की लॉन बॉल्स प्रतियोगिता में अपना शानदार अभियान जारी रखते हुए बुधवार को पुरुष पेयर्स वर्ग के सेक्शन बी के दूसरे दौर के दूसरे मैच में नामीबिया को कड़े मुकाबले में हराया। मंगलवार को कुक आइलैंड्स के खिलाफ टाईब्रेकर में मिली जीत के बाद भारत के 'लौड' नवनीत सिंह और 'रिक्का' दिनेश कुमार की जोड़ी ने पिछड़ने के बावजूद संयम बनाए रखा और पहला सेट 5-3 से अपने नाम किया। नामीबिया ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन भारतीय जोड़ी ने सटीक थो और शानदार रणनीति के दम पर लगातार पांच अंक जुटाकर मैच का रुख पलट दिया और प्रतिद्वंद्वी टीम की वापसी की उम्मीदों को झटका दिया। दूसरे सेट में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा शुरू से ही कायम रहा।

उन्होंने शुरुआती 2-0 की बढ़त की लगातार शानदार खेल और 'जेक' पर प्रभावी नियंत्रण के दम पर 6-1 तक पहुंचा दिया। नामीबिया ने सेट के अंतिम चरण में दो अंक लेकर अंतर 3-6 कर दिया लेकिन तब तक मुकाबले का नतीजा लगभग तय हो चुका था। भारतीय जोड़ी ने आसानी से मैच जीतकर ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।



हरजिंदर कौर ने 227 किग्रा भार उठाकर जीता सिल्वर मेडल

ग्लास्गो में जारी कॉमनवेल्थ गेम्स महिला वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने धमाल मचा दिया। महिलाओं की 69 किग्रा वेट कैटेगरी में हरजिंदर ने कुल 227 किग्रा भार उठाकर सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया। हरजिंदर कौर ने 69 किग्रा भार कैटेगरी के स्नैच के पहले प्रयास में 98 किग्रा उठाया, उसके बाद दूसरे प्रयास में 99 और तीसरे प्रयास में 101 किग्रा का वजन उठाया। उनके तीनों ही प्रयास सफल रहे। इसके बाद वलीन एंड जर्क के तीन प्रयासों में 120, 123 और 126 किग्रा भार उठाया। इस तरह स्नैच में 101 और वलीन एंड जर्क में 126 किग्रा उठाने के साथ कुल 227 किग्रा वजन के दम पर हरजिंदर ने सिल्वर मेडल हासिल किया।

खबर संक्षेप



मैं बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी: मनु

नई दिल्ली। मनु भाकर ने कहा कि हांगझौउ में हाल ही में समाप्त हुए विश्व कप में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर उनकी भावनाएं मिली जुली हैं और वह इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीं। भाकर अभी भी 2026 में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की तलाश में हैं। भाकर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'एक और कांस्य पदक। इस पदक को लेकर मेरी मिली-जुली भावनाएं हैं। मुझे खुशी है कि मैं अपने प्रदर्शन में सुधार कर पाई, लेकिन साथ ही, मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर कर सकती थी।' मनु ने कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात से होती है कि मेरी मेहनत रंग ला रही है। सुधार की अभी भी बहुत गुंजाइश है, और यही बात मुझे प्रेरित करती है। एक-एक कदम आगे बढ़ना है।'

स्क्वाश चैंपियनशिप: क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया ओटारियो। भारतीय पुरुष और महिला टीमों में क्रमशः कुवैत और दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप

के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। जहां भारत की पांचवीं वरीयता प्राप्त पुरुष टीम को कुवैत के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल करने से पहले कड़ी मेहनत करनी पड़ी, वहीं महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से आसानी से हराया। भारतीय पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगी जबकि महिला टीम का मुकाबला अमेरिका से होगा। पुरुषों के मुकाबले में युशा कप्रीस शुरुआती मैच में हार गए। इसके बाद आर्यवीर दीवान ने जीत हासिल करके मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। गुरवीर सिंह ने तीसरे और निर्णायक मैच में जीत हासिल करके भारत को अंतिम आठ में पहुंचाया।

टॉप 50 बल्लेबाजों में वैभव की एंट्री शुभमन फिर बने नंबर 1 बल्लेबाज

टी20 में सूर्यवंशी ने लगाई 230 पायदान की लंबी छलांग

एजेसी ►► दुबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में फिर से दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बन गए जबकि वैभव सूर्यवंशी जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 230 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 48वें स्थान पर पहुंच गए। गिल ने वनडे रैंकिंग में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डैरिल मिचेल को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया। मिचेल इस साल जनवरी से शीर्ष स्थान पर काबिज थे।



विश्वेन्द्र को फायदा, शीर्ष 10 में वरुण

लेग स्पिनर रवि विश्वेन्द्र टी20 में गेंदबाजों की सूची में 31 पायदान ऊपर 41वें स्थान पर पहुंच गए, लेकिन चोटिल होने के कारण जिंबाब्वे दौरे से बाहर रहे वरुण चक्रवर्ती तीन स्थान नीचे खिसक गए लेकिन वह शीर्ष 10 में बने हुए हैं।



टी20 में टॉप पर काबिज ईशान

सूर्यवंशी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 50.33 की औसत से 151 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। अपने इस शानदार प्रदर्शन से यह 15 वर्षीय बल्लेबाज शीर्ष 50 में जगह बनाने में सफल रहा। सूर्यवंशी के 536 रेटिंग अंक हैं। ईशान किशन टी20 में नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। उनके 910 रेटिंग अंक हैं। वह दूसरे स्थान पर काबिज पाकिस्तान के साहिबजाद फरहान (848) पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। इस बीच तिलक वर्मा दो पायदान ऊपर छठे स्थान पर, जबकि टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर सात पायदान ऊपर 24वें स्थान पर आ गए।

जॉर्ज और मन्नेपल्ली की दूसरे दौर में एंट्री

ताइपे ओपन : सीधे गेमों में जीते प्रणय और उन्नति, अगल दौर में प्रवेश

एजेसी ►► ताइपे सिटी

अनुभवही शटलर एचएस प्रणय और उन्नति हुडा ने सीधे गेम में जीत दर्ज करके ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सातवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने पुरुष एकल के पहले दौर में जापान के मिनोरे कोगा को 21-11 21-14 से हराया।

अब उनका सामना हांगकांग के जेसन गुनावन से होगा, जिन्होंने एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मिथुन मंजुनाथ को 21-18 21-4 से हराया। पुरुष एकल में किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। जॉर्ज ने चीनी ताइपे के वांग पो-वेई को 21-10 21-18 से जबकि मन्नेपल्ली ने कोरिया के आठवें वरीय जियोन ह्योक



जिन को 21-12 21-15 से हराया। जॉर्ज और मन्नेपल्ली अगले दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगे। पुरुष एकल क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले रौनक चौहान इंडोनेशिया के रिची दुता रिचार्डो से 14-21 16-21 से हार गए।

उन्नति ने की अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत

महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त उन्नति ने अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए ताइपे की पेई यू वांग को 21-12, 21-18 से हराया। अब उनका मुकाबला हमवतन तान्या हेमंत से होगा, जिन्होंने ताइपे की ही वैन ची सू को कड़े मुकाबले में 21-16, 14-21, 21-16 से पराजित किया। भारत की अन्य खिलाड़ियों में आठवीं वरीयता प्राप्त देविका सिहाग, तन्वी शर्मा और अनमोल खरब महिला एकल के अगले दौर में पहुंच गईं।

देविका ने कोरिया की गा यून पार्क को दी मात

देविका ने कोरिया की गा यून पार्क को 14-21 21-7 21-15 से, तन्वी ने हमवतन तस्कीन मीर को 21-16 22-20 से और अनमोल ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 21-15 11-21 21-19 से हराया। देविका का अगला मुकाबला इंडोनेशिया की कडेक डिंडा अमर्त्य प्रतीवी से होगा। तन्वी का मुकाबला अब इंडोनेशिया की थालिता रामथानी विरियावान से होगा, जबकि अनमोल का सामना चीनी ताइपे की दूसरी वरीयता प्राप्त हियांगन टी लिन से होगा। भारत की एक अन्य खिलाड़ी श्रीयांशी वलीशेट्टी को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त सुपानिडा कटेंथोंग से 11-21 12-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई खेल : भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, लालागे की जगह पाल शामिल

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत ने जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी 20 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम में केवल एक बदलाव करके आदित्य अर्जुन लालागे की जगह मिडफील्डर राज कुमार पाल को शामिल किया है।

राज कुमार को अगले महीने होने वाले विश्व कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन वह एशियाई खेलों के लिए वापसी करने में सफल रहे। लालागे



नीदरलैंड और बेल्रियम की संयुक्त मेजबानी में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप के लिए भारत की 20 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। भारतीय टीम प्रबंधन और हॉकी मिश्रण है।

इंडिया के चयनकर्ताओं ने इसके अलावा विश्व कप में खेलने वाली टीम में कोई अन्य बदलाव नहीं किया है। स्टार डिफेंडर और ड्रैग-फिलकर हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे। भारत ने हरमनप्रीत की अगुवाई में ही 2024 में पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था। भारत की तफ़फ से सर्वाधिक मैच खेलने वाले अनुभवही मिडफील्डर मनप्रीत सिंह सहित कई अनुभवी खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं। भारतीय टीम अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है।

उत्तर रेलवे

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत स्टॉल स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं:

क) कुल ग्यारह (11) स्टॉल: दिल्ली, दिल्ली कैंट, दिल्ली सत्राय रोहिला, दिल्ली शाहदरा, गुडगांव, मेरठ कैंट, मुजफ्फरनगर, पानीपत, दौंडा रोड, सामाखा, सब्जीमंडी, रेलवे स्टेशन।

ख) कुल बगालीस (42) ट्रांली: असावठी, बादली, बागपत रोड, बल्लभगढ़, बड़ौता, दिल्ली आजादपुर, दिल्ली किशनगंज, दिल्ली सफ्दरजंग देवबंद, फरीदाबाद, फरीदाबाद नया शहर, गढ़ी हरसर, गाजियाबाद, जाखल, जींद, जुलाना, खतौली, खेकडा, मंगोलपुरी, मानसा, मेरठ सहर, मोदीनगर, मुरादनगर, नागलौई, नरवाना, नया गाजियाबाद, नोली, ओखला, पालम, पलवल, परागपुर, साहिबवादा, सांकोटी टांडा, सांपला, शकूरबस्ती, शामली, शियाजी ब्रिज, टपरी, तिलक ब्रिज, टोहाना, तुगलकाबाद, विवेक विहार, रेलवे स्टेशन।

ग) दिल्ली जंक्शन, कुरुक्षेत्र, सब्जी मंडी, पलवल, गुडगांव, मेरठ कैंट, पानीपत, नरैला, बादली रोहतक, जुलाना, सांपला रेलवे स्टेशनों पर स्टॉल/ट्रांली लगाने की अवधि 90 दिन होगी।

घ) एनएसई 1, 2, 3 स्टेशनों के लिए पंजीकरण शुल्क रु. की दर से लिया जाएगा। तीस दिनों के प्रत्येक चरण के लिए 2000 और एनएसई 4,5,6 (दिल्ली किशनगंज, देवबंद, बादली, ओखला, शामली, टपरी, ज़िंद, जाखल, टोहाना, मानसा, नरवाना, बागपत रोड, खेकडा, नागलौई, मुरादनगर, खतौली, मेरठकैंट, जुलाना, सांपला, शियाजीब्रिज, तिलकब्रिज, मनीर, बादली, सब्जीमंडी, नरैला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद ग्युटाउन बल्लभगढ़, पालम, मेरठकैंट, दिल्ली सफ्दरजंग, परतापुर और सांकोटी टांडा रेलवे स्टेशन पर पंजीकरण शुल्क रु. तीस दिनों के प्रत्येक मंत्र के लिए 1000। की दर से लिया जाएगा।

ङ) प्रतिभागी के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं: विकास आयुक्त हस्ताक्षर, विकास आयुक्त हथकरघा, या अपेक्षित राज्य/केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगरों/बुनकर आईडी कार्ड धारक। भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संच लिमिटेड (टाइफेड)/राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (एनएचबीसी)/खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी)/गैर सरकारी संगठन और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर सूक्ष्म उद्यमों के साथ पंजीकृत और सामाजिक संगठनों, राज्य सरकार के साथ निकायों आदि के साथ नामांकित/पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर/बुनकर/शिल्पकार

च) पीएमईजीपी (प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह।

छ) समाज के हाशिए पर या कमजोर वर्ग।

ज) किसी भी अलग प्रतीक चिह्न की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। आवेदक को स्टेशन अधीनस्थ को एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह संकेत दिया जाएगा कि देन संचालन, यात्री सुरक्षा और रेलवे की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए कोई गतिविधि नहीं की जाएगी। आवेदक द्वारा का आवेदन इस अधिसूचना के जारी होने के बाद 07.04.2026, 16:00 बजे तक स्टेशन अधीनस्थ को संबोधित व जमा किया जा सकता है व उसी दिन खोला जाएगा। सभी अनुमोदित प्रतिभागियों का प्रथमिकता रोस्टर बनाने के लिए एनएसई और स्टेशन प्रबंधक/अनुभागीय सीएसआई और नामांकित वित्त प्रतिनिधि द्वारा सभी अनुमोदित आवेदकों की उपस्थिति में स्टेशन पर आयोजित ड्रा के माध्यम से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी। 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना रेलवे बोर्ड व्यापिक परिषद संख्या: 12/2022 एवं 09/2023 के तहत/अधीन मान्य होगी, उपरोक्त परिषद वेबसाइट www.indianrailways.gov.in & URL: https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directoratetraffic/traffic/Comm_Cir_2022/OSOP%20Policy.pdf और https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directoratetraffic/comm/Comm_Cir_2023/CC%20%2009%20n%202023 पर उपलब्ध है। इस से सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए आवेदक संबंधित स्टेशनों के स्टेशन अधीनस्थ या सीएसआई से संपर्क कर सकता है।

2611 नरैला

आहर्कों की सेवा में मुस्कान के साथ

